वर्ष-11 | अंक-34 | भोपाल, 13 अप्रैल से 19 अप्रैल 2026 तक

पृष्ठ-12 | RNI NO. MPHIN/2015/63623

साप्ताहिक

न्यूज क्राइम फाइल

ग्वालियर, भिंड, मुरैना, छतरपुर, सागर, विदिशा, रायसेन, सिवनी, जबलपुर, रीवा, सतना, होशंगाबाद, हरदा एवं इंदौर में प्रसारित।

मुल्य- 02 रूपये

किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ : राजनाथ सिंह

किसानों के लिए पाठशाला की तरह है उन्नत कृषि महोत्सव : केन्द्रीय कृषि मंत्री

किसानों के श्रम से देश का खाद्यान्न निर्यात हुआ दोगुना : मुख्यमंत्री

न्यूज क्राइम फाइल

केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि देश की सीमा पर जवान और खेतों में किसान दोनों का समान महत्व है। दोनों ही अपनी मिट्टी के प्राण-प्रण से सेवा में तत्पर रहते हैं। किसान हमारे देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, हमारी ताकत हैं। इनके बिना हमारे भोजन की थाली अधूरी है। किसानों की मुस्कान ही हमारी पूंजी है। उन्होंने कहा कि खेती-किसानी बड़े जोखिम का काम है, फिर भी हमारे किसान पूरी मेहनत और लगन से देशवासियों का उदर-पोषण करते हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि वे स्वयं एक किसान पुत्र हैं। किसानों की वेदना और उनकी जरूरतों से वाकिफ हैं। किसानों का कल्याण हमारा लक्ष्य है। इनकी बेहतरी के लिए हम संकल्पबद्ध होकर प्रयास कर रहे हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि देश के किसानों के कल्याण की दिशा में हमारा मजबूत प्रयास है। किसान सम्मान निधि के रूप में हर पात्र किसान के बैंक खाते में 6000 रुपए सीधे ट्रांसफर किये जा रहे हैं, जिससे वे खाद, बीज और खेती-किसानी के अन्य जरूरी समान खरीद सकें। यह किसानों की मेहनत का सम्मान है। अब तक हमारी सरकार हजारों करोड़ रुपए की सहायता किसान भाइयों को दे चुकी है। उन्होंने किसानों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि गांव, गरीब, नारी, युवा और खेती-किसानी की लगातार बेहतरी के लिए हमारे प्रयास आगे भी इसी तरह जारी रहेंगे। केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री सिंह शनिवार को रायसेन के दशहरा मैदान में आयोजित उन्नत कृषि महोत्सव-2026 को संबोधित कर रहे थे।

केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री सिंह, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा त्रि-दिवसीय कृषि महोत्सव प्रदर्शनी एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर विधिवत् शुभारंभ किया गया। केन्द्रीय कृषि मंत्रालय एवं राज्य शासन के कृषि विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में किसानों को मृदा परीक्षण में मदद के लिए स्वॉइल मोबाइल ऐप ई-फॉर्म लान्च किया गया। इस ऐप की मदद से किसान बंधु खुद अपने खेत की मिट्टी की सेहत जांच सकेंगे। कार्यक्रम में नरवाई प्रबंधन, कस्टम हायरिंग एवं अन्य शासकीय योजनाओं के 10 क्षेत्रीय हितग्राही किसानों को मंच से हितलाभ वितरित किए गए। इस दौरान देश में कृषि क्षेत्र में तेजी से हो रहे विकास पर केंद्रित आकर्षक लघु फिल्म (एवी) का प्रदर्शन भी किया गया। उन्नत कृषि महोत्सव 13 अप्रैल तक चलेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ह्दय प्रदेश को दी एक अलग पहचान

केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री सिंह ने मध्यप्रदेश की जनता को बधाई देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के सशक्त एवं कर्मठ नेतृत्व में मध्यप्रदेश लगातार विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि रायसेन की उर्वर भूमि पर हो रहा यह उन्नत कृषि महोत्सव प्रदेश के किसानों की तकदीर और उनकी माली हालत की तस्वीर बदलने में बेहद सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि इस कृषि महोत्सव में किसानों को सरकारी योजनाओं के साथ बिचौलियों से मुक्त बाजार सहित वेयर हॉउसिंग और कोल्ड स्टोरेज स्थापित करने के लिए सभी महत्वपूर्ण जानकारियां दी जा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने देश के ह्दय प्रदेश को एक अलग पहचान दी है। मध्यप्रदेश के किसानों की मेहनत और लगन प्रेरणादायी है। प्रदेश की जनता का अतिथि सत्कार दिल जीत लेता है, यह मध्यप्रदेश की खासियत है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना किसानों के लिए उपहार

केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री सिंह ने कहा कि बीते सालों में केंद्र सरकार ने किसानों के लिए बेमिसाल कार्य किए हैं। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना किसानों के लिए एक उपहार की तरह है। इसमें प्राकृतिक आपदा से फसलों को हुए नुकसान की भरपाई अब फसल बीमा के माध्यम से की जा रही है। भारत सरकार ने देश के सभी किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड दिए हैं। इसकी मदद से किसान पता लगा पा रहे हैं कि उनके खेत में कौन सी फसल ली जा सकती है और उन्हें खाद की कितनी मात्रा डालनी है। इससे कृषि की लागत घटी है। भारत सरकार ने गांव-गांव तक सड़कें, नल से जल, बिजली कनेक्शन दिए और गांवों को शहरों से जोड़ा है। देशभर की मंडियां ऑनलाइन होने से किसान अब घर बैठे अपनी उपज बेच सकता है। हमारी सरकार ने फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि किसानों और गांवों के लिए अभी भी बहुत कुछ करना शेष है। किसानों के कल्याण के लिए धन की कमी कभी आड़े नहीं आएगी। उन्होंने कहा कि वे देश के रक्षा मंत्री है, लेकिन दिल से एक किसान भी हैं। केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री सिंह ने किसानों के हित में रक्षा मंत्रालय द्वारा किए गए नवाचार की जानकारी देते हुए बताया कि हमने देशभर में मौजूद सेना की छावनियों के आसपास के किसानों से ही प्राकृतिक खेती से पैदा किए गए फल एवं सब्जियां खरीदने का निर्णय लिया है।

आज गढ़ाकोटा में मेला रहस लोकोत्सव का शुभारम्भ मप्र के मुख्यमंत्री माननीय श्री मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ ।
गोपाल भार्गव -विधायक रहली, पूर्व मंत्री

एसपी की स्पेशल स्ट्राइक से उड़ी फरारी काट रहे बदमाशों की नींद

भोपाल देहात में अपराधियों की शामत...कॉम्बिंग गश्त

न्यूज क्राइम फाइल

अगर आप भोपाल देहात के इलाके में रहते हैं और कानून की नजरों से बचकर लुका-छिपी खेल रहे हैं, तो सावधान हो जाइए। पुलिस अधीक्षक रामशरण प्रजापति ने जिले के फरार सूरमाओं का बोरिया-बिस्तर समेटने की पूरी तैयारी कर ली है। साहब के एक आदेश ने पूरे देहात पुलिस महकमे को सड़कों पर उतार दिया है।

पुलिस सीधे उन ठिकानों पर दस्तक दे रही है जहाँ अपराधियों के छिपने की पक्की खबर है। रामशरण प्रजापति ने साफ कर दिया है कि या तो अपराधी कानून के सामने सरेंडर करें, वरना पुलिस उन्हें ढूँढकर सलाखों के पीछे पहुँचाने का हुनर जानती है। वहीं रात के अंधेरे में टॉर्च की रोशनी और वर्दी की धमक ने अपराधियों के गढ़ में खलबली मचा दी है। भोपाल देहात में अब फरार होना आसान नहीं रहेगा। पुलिस की इस मुस्तैदी से आम जनता ने राहत की सांस ली है, तो वहीं बदमाशों के बीच यही चर्चा है भैया, अब बच के कहाँ जाएँगे?

एसपी प्रजापति

आधी रात को कॉम्बिंग गश्त का तड़का

जब दुनिया मीठी नींद सो रही थी, तब भोपाल देहात की पुलिस थानों से बाहर निकलकर पगडंडियों और गलियों में खाक छान रही थी। कॉम्बिंग गश्त के नाम पर पुलिस ने ऐसा जाल बुना कि फरार आरोपियों को छिपने की जगह नहीं मिल रही। एसपी प्रजापति के निर्देशन में यह विशेष अभियान किसी फिल्मी दबिश से कम नहीं है, जहाँ एक साथ कई थाना क्षेत्रों में सघन तलाशी और दबिश की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस की इस सक्रियता ने उन अपराधियों के पसीने छुड़ा दिए हैं जो लंबे समय से पेशी से कन्नी काट रहे थे या वारदात के बाद अंडरग्राउंड हो गए थे।

परिवहन विभाग ला रहा रजिस्ट्रेशन नंबर रोटेशन नियम: अब गाड़ी बदलेगी, नंबर नहीं... आपका लकी नंबर नए वाहन पर भी रहेगा कायम

न्यूज क्राइम फाइल

गाड़ी बदलते ही पसंदीदा या लकी नंबर खोने की चिंता अब खत्म हो सकती है। मध्यप्रदेश परिवहन विभाग ऐसी व्यवस्था बना रहा है, जिससे आप अपने पुराने वाहन का नंबर नए वाहन पर ट्रांसफर करवा सकेंगे। वैसे पुराने वाहन का रजिस्ट्रेशन नंबर नई गाड़ी पर लेने की सुविधा पहले से मौजूद है, लेकिन प्रक्रिया जटिल होने से कम लोग इसका फायदा ले पाते हैं। अब परिवहन विभाग इसे आसान बनाने जा रहा है। प्रस्ताव के मुताबिक करीब 5 हजार रुपए शुल्क देकर नंबर सुरक्षित रखा जा सकेगा और नई गाड़ी पर दोबारा लिया जा सकेगा। प्रस्ताव केंद्र को भेजा गया है, मंजूरी के बाद प्रदेश में लागू होगा।

परिवहन के प्रयोग से आपको क्या फायदा, जानें सब कुछ

क्या अभी पुराना नंबर नई गाड़ी पर मिल सकता है? हां, गाड़ी स्क्रैप कराने के बाद ले सकते हैं। नियम पहले से है, लेकिन प्रक्रिया जटिल होने के कारण लोग फायदा नहीं ले पाते हैं। विभाग के नए प्रस्ताव में क्या है? नई व्यवस्था में प्रक्रिया को सरल बनाने की तैयारी है। तकरीबन 5 हजार रुपए शुल्क देकर नंबर सुरक्षित रखा जा सकेगा। नए सिस्टम में क्या करना होगा? प्रस्ताव के तहत नई गाड़ी लेने के बाद यदि आप उसी नंबर को हमेशा के लिए रखना चाहते हैं, तो अतिरिक्त शुल्क चुकाना होगा। यह गाड़ी स्क्रैप या बेचने के बाद आरटीओ में आवेदन देना होगा, इसके बाद वही नंबर नई गाड़ी पर मिल जाएगा। किसे सबसे ज्यादा फायदा होगा? वीआईपी, लकी या स्टेटस नंबर रखने वालों को इसका सबसे ज्यादा फायदा मिलेगा। क्या नियम लागू हो गया है? नहीं, केंद्र की मंजूरी के बाद ही लागू होगी। नंबर हमेशा के लिए सुरक्षित रहेगा? यह अंतिम नियम नोटिफिकेशन के बाद ही स्पष्ट होगा।

इनका कहना हैं...

प्रस्ताव केंद्र को भेजा है। मंजूरी मिलते ही रोटेशन सिस्टम लागू कर दिया जाएगा, जिससे लोगों को पुराना नंबर लेने में आसानी होगी।

-जितेंद्र शर्मा, आरटीओ भोपाल

साप्ताहिक
न्यूज क्राइम फाइल
भोपाल, 13 अप्रैल से 19 अप्रैल 2026

जनसंघ के संस्थापक सदस्य, राष्ट्रऋषि, %भारत रत्न% नानाजी देशमुख की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि।अंत्योदय और ग्रामोदय को जीवन का संकल्प बनाकर उन्होंने सेवा, त्याग एवं राष्ट्र निर्माण की जो अमिट परंपरा स्थापित की वह सदैव हम सबका मार्गदर्शन करती रहेगी।
योगी आदित्यनाथ- मुख्यमंत्री उत्तरप्रदेश

मेरे खिलाफ 38 फर्जी केस; पार्टी ने जाने से मना किया

कैलाश विजयवर्गीय बोले- बंगाल गया तो गिरफ्तार हो जाऊंगा

न्यूज क्राइम फाइल

मध्य प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने शनिवार रात रतलाम में कहा कि उनके खिलाफ पश्चिम बंगाल में 38 फर्जी केस दर्ज हैं और वहां जाने पर उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है। पूर्व आरडीए अध्यक्ष अशोक पोरवाल के राजबाग स्थित निवास पर मीडिया से चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि पार्टी ने भी %ए लफड़े से बचने के लिए उन्हें बंगाल चुनाव में जाने से मना किया है। मंत्री विजयवर्गीय ने रतलाम प्रवास के दौरान इंदौर नगर निगम के विवाद, प्रदेश में यूसीसी लागू करने की तैयारी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ अपने संबंधों पर भी बेबाक राय रखी है।

पार्टी ने कहा- बंगाल मत जाओ, नया लफड़ा हो जाएगा

मंत्री ने स्पष्ट किया कि वे इस बार बंगाल चुनाव में नहीं जाएंगे। उन्होंने कहा- बंगाल नहीं जाने के बहुत सारे कारण है। मेरी गिरफ्तारी के बहुत सारे वारंट निकले है। मेरे खिलाफ वहां पर 38 फर्जी केस है। वहां गया तो गिरफ्तार कर लेंगे। पार्टी ने भी जाने से मना किया है, पार्टी ने कहा कि जाओ मत नया लफड़ा हो जाएगा। इसलिए मैं बंगाल चुनाव में

नहीं जाउंगा। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि बंगाल में प्रधानमंत्री की सभाओं में बिना गाड़ियां लगाए लोग 10 से 15 किमी दूर से पैदल आ रहे हैं, जिससे स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि वहां भारतीय जनता पार्टी आ रही है।

मैं जिंदा बैठा हूं तो बजरंगबली की कृपा, नहीं तो फोटो पर माला लग जाती

बंगाल में अपने पिछले अनुभवों और ममता बनर्जी को लेकर पूछे गए एक प्रश्न के जवाब में विजयवर्गीय ने कहा- ममता जी घबरा गई है। 5 से 10 लाख मुस्लिम एकट्ठे हो गए थे। ममता जी के पास बहुत सारे माफिया है, स्मगलर है। सब लोगों ने प्रयास किया ममता जी को सरकार में लाने के लिए। मुझे लगता है कि यह ममता जी का कुप्रयास था। ममता जी जो भी करे वह कम है, क्यो कि मैं 6 साल वहां रहा हूं। मैं यहां पर आपके सामने जिंदा बैठा हूं तो बजरंगी बली की कृपा है। नहीं तो मेरे फोटो पर भी माला लग गई होती।

जो भारत माता की वंदना नहीं करते, उन पर प्रश्नचिह्न

इंदौर नगर निगम में हुए वंदे मातरम विवाद पर अपनी राय रखते हुए उन्होंने कहा- मेरा मानना है कि हम जिस देश में रहते है उस देश के प्रति वफादार रहना चाहिए। जिस भूमि पर हम चलते है वह भूमि हमारी माता है। जो पानी नदी का हम पीते वह हमारी माता है। वृक्ष हमारे देवता है। पहाड़ हमारे देवता है तो हम सब देवी देवता मानते है। इसलिए मैं समझता हूं कि हम अपनी जन्म देने वाली मां को भी प्रणाम करते है या नहीं। ऐसी भारतमाता जिनके कारण आज हम सब चीज प्राप्त कर रहे है उनका वंदन करने में मैं नहीं समझता कि किसी भी धर्म में बाधा आना चाहिए। ऐसे लोग जो भारत माता की वंदना नहीं करते उनकी राष्ट्र प्रेम के प्रति प्रश्न चिन्ह लगते है।

प्रदेश में बिल आने के बाद लागू होगा यूसीसी

प्रदेश में समान नागरिक संहिता लागू करने की तैयारी पर विजयवर्गीय ने कहा- हमारे मुख्यमंत्री जी ने घोषणा कर दी है। पहले बिल आएगा। उसके आने के बाद लागू किया जाएगा। उसकी तैयारी हमारी चल रही है। वहीं, निगम मंडलों में नियुक्तियों को लेकर उन्होंने बताया कि अभी फिलहाल रोक दी गई हैं, चुनाव के बाद पार्टी की प्रक्रिया चलती रहेगी। मुख्यमंत्री के साथ संबंधों पर हंसते हुए उन्होंने कहा- हमारे बहुत अच्छे संबंध है। जैसे आपसे (मीडिया) हमारे है वैसे ही उनसे भी है। इससे पहले रात 10 बजे कार्यक्रम में पहुंचने पर मंत्री ने छोटी कन्याओं की पूजा की और उनके पैर छुए।

भोपाल में बैग-मार गैंग का आतंक: सीएम हाउस के पास डॉक्टर को निपटाया, अब महिलाओं को किया लहूलुहान

न्यूज क्राइम फाइल

राजधानी में लुटेरे अब सिर्फ जेबकतरे नहीं रहे, बल्कि बाकायदा एक्शन हीरो बनने की फिराक में हैं। पुलिस शहर में ऑल इज वेल का झुनझुना बजा रही है और उधर बदमाशों ने मुख्यमंत्री निवास से लेकर गोविंदपुरा तक लूट का लाइव शो चला रखा है। आलम यह है कि 11 घंटे के भीतर बदमाशों ने वो गदर काटा कि पुलिस की गश्त सिर्फ कागजों पर दौड़ती नजर आ रही है।

एक्टिवा से ऐसी पटकनी दी कि पहुंच गईं आईसीयू

गोविंदपुरा इलाके में तो बदमाशों ने हद ही कर दी। बेचारी आशा कार्यकर्ता अपनी सहेली के साथ एक्टिवा पर सवार होकर नारी शक्ति का परिचय दे रही थीं, तभी पीछे से आए झपट्टा मार उस्तादों ने बैग पर ऐसा हाथ मारा कि एक्टिवा

का संतुलन बिगड़ गया। नतीजा? महिलाएं सड़क पर ऐसी गिरीं कि लुटेरे बैग लेकर रफूचक्कर हो गए और ये बेचारी अस्पताल पहुंच गईं। मामले में सूत्र ने बताया कि घायल आशा कार्यकर्ता के हाथ फैक्चर आया है, वहीं उनकी सहेली के सिर में 8 टांके आए हैं । फिलहाल आईसीयू में रेस्ट? कर रही हैं।

साहब की नाक के नीचे वारदात, पुलिस खोज रही सुराग

अभी कल ही की बात है, जब लुटेरों ने मुख्यमंत्री निवास के पास एक डॉक्टर साहब को प्रसाद चढ़ाकर लूट लिया था। पुलिस अभी उस केस की फाइल खोल ही रही थी कि बदमाशों ने 11 घंटे बाद गोविंदपुरा में दूसरा प्रीमियर दिखा दिया। साहब की नाक के नीचे से लेकर सघन बस्तियों तक, लुटेरों का कॉन्फिडेंस सातवें आसमान पर है।

पुलिस का पुराना डायलॉग: जांच जारी है

हमेशा की तरह, गोविंदपुरा पुलिस अब सीसीटीवी के धुंधले फुटेज में बदमाशों के चेहरे तलाश रही है। पुलिस का वही रटा-रटाया डायलॉग सुनने को मिल रहा है जल्द ही आरोपी गिरफ्त में होंगे।अब ये जल्द कब आएगा, इसका इंतजार तो खुद घायल महिलाएं भी कर रही हैं। भोपाल की सड़कों पर चल रहे हैं तो बैग कंधे पर नहीं, बल्कि तिजोरी की तरह पकड़कर चलें, क्योंकि खाकी सो रही है और लुटेरे जाग रहे हैं ।

राष्ट्रनिर्माण कभी भी तात्कालिक सोच से नहीं होता। वो एक बड़े विज़न, धैर्य और समय पर लिए गए निर्णयों से होता है।
हेमंत खंडेलवाल, प्रदेश अध्यक्ष-भाजपा मप्र, विधायक- बैतूल

आलेख

तीन राज्यों में बंपर वोटिंग ने क्या संदेश दिया ?

अशम, केरल और पुडुचेरी में हुए विधानसभा चुनावों में इस बार जबरदस्त मतदान ने लोकतंत्र की मजबूती का एक नया उदाहरण प्रस्तुत किया है। लगभग 80 प्रतिशत के औसत मतदान ने यह संकेत दिया है कि जनता न केवल राजनीतिक रूप से जागरूक है, बल्कि अपने मताधिकार का उपयोग करने के लिए भी पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इतना ही नहीं, इस भारी मतदान ने राजनीतिक दलों की धड़कनें भी तेज कर दी हैं, क्योंकि हर दल इसे अपने पक्ष में जनसमर्थन के रूप में देख रहा है। हालांकि इस बंपर मतदान के वास्तविक मायने क्या हैं, यह समझने के लिए तीनों राज्यों का अलग अलग विश्लेषण जरूरी है।

असम चुनाव

सबसे पहले बात असम की करें तो यहां का मतदान प्रतिशत न केवल पिछले चुनावों से अधिक रहा बल्कि कई क्षेत्रों में रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया। कुल 126 विधानसभा क्षेत्रों में लगभग 85 प्रतिशत से अधिक मतदान दर्ज किया गया, जो पहले के चुनावों के मुकाबले अधिक है। खास बात यह रही कि सोलह निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान नब्बे प्रतिशत से भी ऊपर पहुंच गया। दलगांव में तो मतदान लगभग 95 प्रतिशत के करीब रहा, जो राज्य में सबसे अधिक है। असम में चुनावी मुकाबला मुख्य रूप से दो ध्रुवों के बीच रहा। एक ओर भाजपा के नेतृत्व वाला सत्तारुढ़ गठबंधन है जो लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी की कोशिश कर रहा है, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस के नेतृत्व वाला विपक्ष गठबंधन सत्ता में वापसी के लिए संघर्षरत है। इसके अलावा कुछ क्षेत्रीय दल भी कुछ सीटों पर प्रभाव डालने की स्थिति में हैं। यहां मतदान का एक महत्वपूर्ण पहलू क्षेत्रीय असमानता के रूप में सामने आया। निचले असम के क्षेत्रों में, जहां अल्पसंख्यक मतदाताओं की संख्या अधिक है, वहां मतदान प्रतिशत अत्यधिक रहा। बरपेटा, बोंगाईगांव और धुबरी जैसे जिलों में मतदान नब्बे प्रतिशत से ऊपर दर्ज किया गया। इसके विपरीत ऊपरी असम के क्षेत्रों में मतदान अपेक्षाकृत कम रहा। इससे यह संकेत मिलता है कि चुनावी उत्साह उन क्षेत्रों में अधिक था जहां मुकाबला अधिक तीखा है। हालांकि मतदान के दौरान कुछ स्थानों पर हिंसा की घटनाएं भी सामने आईं, लेकिन कुल मिलाकर मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण रही। भारी मतदान को लेकर सत्तारुढ़ नेतृत्व ने इसे ऐतिहासिक बताया और इसे जनता के विश्वास का प्रतीक माना।

केरल चुनाव

अब केरल की बात करें तो यहां का चुनाव परंपरागत रूप से दो प्रमुख गठबंधनों के बीच होता रहा है। इस बार भी मुख्य मुकाबला सत्तारुढ़ वाम मोर्चा और कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ मोर्चे के बीच रहा, जबकि तीसरा विकल्प बनने की कोशिश कर रहा भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए गठबंधन भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराने में लगा है। केरल में लगभग 77 प्रतिशत से अधिक मतदान दर्ज किया गया, जो पिछले चुनाव से अधिक है। आंकड़ों के मुताबिक कोझिकोड जिले में सबसे अधिक मतदान दर्ज किया गया, जबकि कुछ क्षेत्रों में अपेक्षाकृत कम मतदान हुआ। केरल में इस बार चुनाव का मुख्य सवाल यह रहा कि क्या सत्तारुढ़ गठबंधन लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटेगा या फिर विपक्ष वापसी करेगा? उच्च मतदान को लेकर अलग अलग राजनीतिक दलों ने अलग अलग दावे किए हैं। सत्तारुढ़ पक्ष इसे अपनी नीतियों के समर्थन के रूप में देख रहा है, जबकि विपक्ष इसे बदलाव की इच्छा का संकेत बता रहा है। हम आपको बता दें कि उत्तर केरल यानी मलाबार क्षेत्र इस बार भी चुनावी परिणामों की कुंजी माना जा रहा है। यहां की साठ सीटों पर तीनों प्रमुख राजनीतिक धाराओं की नजर है। पिछले चुनाव में इस क्षेत्र में सत्तारुढ़ दल को बड़ी सफलता मिली थी, लेकिन इस बार विपक्ष यहां बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद कर रहा है। कई सीटों पर कड़ा मुकाबला और अस्सी प्रतिशत से अधिक मतदान इस क्षेत्र को और भी महत्वपूर्ण बना देता है।

पुडुचेरी चुनाव

अब पुडुचेरी की बात करें तो यहां सबसे अधिक मतदान दर्ज किया गया, जो लगभग नब्बे प्रतिशत के करीब रहा। यह पिछले सभी रिकॉर्ड को पार करता हुआ दिखाई देता है। यहां मुकाबला मुख्य रूप से दो गठबंधनों के बीच है। एक ओर सत्तारुढ़ एनडीए गठबंधन है तो दूसरी ओर कांग्रेस के नेतृत्व वाला विपक्ष। पुडुचेरी में चुनावी मुद्दों में राज्य का दर्जा, बेरोजगारी और जल प्रदूषण जैसे विषय प्रमुख रहे। इसके अलावा एक नए राजनीतिक दल की एंट्री ने भी चुनाव को दिलचस्प बना दिया है। उच्च मतदान से यह संकेत मिलता है कि जनता इन मुद्दों को लेकर गंभीर है और बदलाव या स्थिरता में से किसी एक को स्पष्ट रूप से चुनना चाहती है। तीनों राज्यों के आंकड़ों को मिलाकर देखें तो कुल मिलाकर पांच करोड़ से अधिक मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया और कुल एक हजार नौ सौ से अधिक उम्मीदवार मैदान में रहे। यह संख्या इस बात को दर्शाती है कि लोकतंत्र में भागीदारी कितनी व्यापक है। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या भारी मतदान सत्ता परिवर्तन का संकेत है या फिर यह सत्तारुढ़ दलों के प्रति विश्वास को दर्शाता है? चुनावी विशेषज्ञों की राय इस पर बंटी हुई है।

संपादकीय

कहां गए शांति के कपोत उड़ाने वाले?

आज की दुनिया बारूद से धधक रही है। रूस-यूक्रेन से लेकर मध्य पूर्व के रेगिस्तानों तक, हर तरफ मिसाइलों की गूँज है। शांति की बाते अब सुनाई नहीं देतीं। शांति के कपोत उड़ाने वाले दिखाई देने बंद हो गए। युद्ध की विभिषिका के विरोध में प्रदर्शन करने और मोमबत्ती जलाने वाले अब सड़कों से गायब है। युद्ध के विरोध के स्वर धीमे ही नही हुए, पूरी तरह खामोश हो गए। बुद्ध के संदेश अब किताबों में ही बंद होकर रह गए है। युद्धों के विरोध की कही से बात नही उठ रही। दुनिया में शांति स्थित करने के लिए बने संयुक्त राष्ट्रसंघ के मुंह पर टेप चिपक गया। वह देख सकता है। न कुछ बोल सकता है। न आदेश कर सकता है। विडंबना देखिए कि इक्कीसवीं सदी में हम मंगल पर बस्तियां बसाने की बात कर रहे हैं, लेकिन ज़मीन के चंद टुकड़ों और आपसी वर्चस्व के लिए हज़ारों बेगुनाहों का खून बहाने से भी पीछे नहीं हट रहे। युद्ध चाहे रूस और यूक्रेन के बीच हो, या इज़राइल, ईरान और अमेरिका के बीच का तनाव हो। जीत के झंडे चाहे जिस देश के हाथ आएं, हारती हमेशा मानवता है। इन युद्ध में विजयी कोई भी हो, सदा पराजित तो मानव होती है। मरती बस इंसानियत है। इतिहास गवाह है कि युद्ध कभी समस्या का समाधान नहीं रहा, बल्कि यह नई समस्याओं का जन्मदाता है। रूस-यूक्रेन युद्ध के समय भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कई बार कहा कि दुनिया को युद्ध की नहीं, बुद्ध की जरूरत है। कई मंचों से उन्होंने यह मांग उठाई, किंतु किसी भी देश ने शांति का समर्थन नहीं किया। सब देश गूंगे बन कर रह गए। आज भी ये ही हाल है। मरता ईरान खाड़ी के उन देशों पर मिसाइल और ड्रोन दाग कर तबाही मचा रहा है, जिनमे अमेरिका के सैन्य अड्डे हैं। अपनी बरबादी होते देख ये देश ईरान पर अमेरिकी हमलों का उस तरह विरोध नही कर रहे, जिस तरह कि करना चाहिए। रूस-यूक्रेन युद्ध के समय जहाँ वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा संकट को जन्म दिया तो मध्य पूर्व (इज़राइल-हमास-ईरान) के संघर्ष ने दुनिया को धार्मिक और कूटनीतिक ध्रुवीकरण के मुहाने पर खड़ा कर दिया है। इन लड़ाइयों में टैंकों की गड़गड़ाहट के बीच जो आवाज़ दब जाती है, वह है—एक मासूम बच्चे की चीख और एक बेबस माँ की कराह। युद्ध की सबसे बड़ी कीमत वे लोग चुकाते हैं जिनका राजनीति या सत्ता की लालसा से कोई लेना-देना नहीं होता। यूक्रेन के कीव से लेकर गाज़ा की गलियों और ईरान के गांव तक तक, हज़ारों औरतें और बच्चे मौत की नींद सो चुके हैं। जो उम्र खिलौनों से खेलने की थी, उस उम्र में बच्चे बमों के धमाकों को पहचानना सीख रहे हैं। हज़ारों बच्चे अनाथ हो चुके हैं और लाखों का भविष्य मलबे के नीचे दब गया है। युद्ध के दौरान महिलाओं को न केवल विस्थापन का दंश झेलना पड़ता है, बल्कि वे शारीरिक और मानसिक हिंसा का सबसे आसान लक्ष्य बनती हैं। युद्ध केवल इंसान को नहीं मारता, वह सदियों से बनी-बनाई सभ्यताओं और बुनियादी ढांचे को भी नष्ट कर देता है। स्कूलों, अस्पतालों और रिहायशी इमारतों पर गिरते बम यह दर्शाते हैं कि आधुनिक समाज कितना असंवेदनशील हो चुका है। जब एक अस्पताल पर मिसाइल गिरती है, तो वह केवल ईंट-पत्थर की इमारत नहीं ढहती, बल्कि इंसानियत की आखिरी उम्मीद भी टूट जाती है।

साप्ताहिक
न्यूज क्राइम फाइल
भोपाल, 13 अप्रैल से 19 अप्रैल 2026

एक बीघा में 50 क्विंटल गेहूं उगाने और गुड़ की खेती करने के बाद मुख्यमंत्री @DrMohanYadavzv जी दूध का रकबा बढ़ाने की बात कर रहे हैं।खेती-किसानी, खून पसीने की मेहनत का फल है, जिसके बारे में मुख्यमंत्री जी कुछ नहीं जानते।

जीतू पटवारी अध्यक्ष, मप्र कांग्रेस

पिता बोले- 20 हजार उधार लिए, 60 हजार चुकाए

निकाह से 5 दिन पहले दुल्हनों सहित परिवार पर एफआईआर

न्यूज क्राइम फाइल

नीमच जिले से पुलिस कार्रवाई का हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक परिवार ने सूदखोरों से बचने के लिए गुहार लगाई, लेकिन पुलिस ने मदद करने के बजाय उलटा शादी वाले घर के सदस्यों, यहां तक कि होने वाली दुल्हनों पर भी मारपीट का केस दर्ज कर दिया। अब परिवार को डर है कि 12 अप्रैल को होने वाले निकाह की रस्मों के बीच कहीं पुलिस उन्हें गिरफ्तार न कर ले।

चार साल पहले 20 हजार रुपए लिए, 60 हजार चुकाए

बघाना थाना क्षेत्र के नाका नंबर चार स्थित गली में रहने वाले फिरोज खान ने बताया- मेरे घर के सामने वाली सड़क के दूसरी ओर गली में सलीम खान रहते हैं। 4 साल पहले मैंने सलीम से 15 प्रतिशत ब्याज पर 20 हजार रुपए उधार लिए। मैं ब्याज समेत उन्हें 60 हजार रुपए लौटा चुका हूं। इसके बावजूद सलीम और रुपए मांग रहे। फिरोज के मुताबिक, 7 अप्रैल की बात है। बेटा मोहम्मद अली और मेरा भानजा घर में लगे इमली के पेड़ पर पत्थर फेंक कर इमली गिरा रहे थे। एक पत्थर सलीम खान के घर के पास जा गिरा। इस पर सलीम खान का परिवार घर आकर गाली-गलौज करने लगा। उस समय घर में महिलाएं मौजूद थीं। जब मैं घर पहुंचा तो एक बार फिर सलीम खान के परिवार के लोग घर आए और गाली-गलौज कर धमकी देने लगे।

थाने में शिकायत की, लेकिन सुनवाई नहीं की

फिरोज ने बताया कि उसी दिन दोपहर में थाने गए, लेकिन पुलिस ने सुनवाई नहीं की। शाम को एक बार फिर सलीम, उसका बेटा शाबाज, घर के सदस्य सलाम, जकाज उर्फ मोटा, गुलबाज, गुड्डू और उनकी बेटियां लाठी-डंडे और पत्थर लेकर घर पहुंचे। उन्होंने मारपीट की। फिर सलीम ने रुपयों की मांग की। धमकी दी कि रुपए नहीं दिए तो शादी नहीं होने देंगे। मारपीट में मेरे बेटे और भानजी को चोट भी आई है। फिरोज का कहना है कि पुलिस ने रात 9 से 11 बजे तक हमें थाने में बिठाए रखा। इसके बाद नॉन-कॉग्निजेबल रिपोर्ट दर्ज कर खानापूर्ति कर ली।

एसपी से गुहार- परिवार को सुरक्षा मुहैया कराएं

कार्रवाई नहीं होने पर गुरुवार, यानी 9 अप्रैल कोको एसपी ऑफिस पहुंचे। वहां एसपी अंकित जायसवाल से सुरक्षा और न्याय की गुहार लगाई। हमने उन्हें बताया कि 12 अप्रैल को बेटियों का निकाह है। सलीम की ओर से शादी नहीं होने देने की धमकी दी जा रही है, इसलिए सुरक्षा मुहैया कराई जाए।

डर है कि वे लोग शादी में खलल डाल सकते हैं

गुरुवार को मिलाद शरीफ का कार्यक्रम तो हो गया। शनिवार को रतजगा होगा। 12 अप्रैल को नीमच में होने वाले सामूहिक विवाह समारोह में निकाह होना है। घर में मेहमानों का आना-जाना है। डर है कि सलीम खान और उनके परिवार के लोग शादी में खलल डाल सकते हैं।

टीआई बोले- सलीम की बेटी को चोट थी, इसलिए उसकी ओर से स्त्रद्धक्रलिखी

बघाना थाना प्रभारी राधेश्याम डांगी का कहना है- मैं 3-4 दिन की छुट्टी पर था, उसी दौरान का मामला है। फिरोज खान की भानजी ने शिकायत की थी, उसे किसी प्रकार की चोट नहीं थी। वीडियो में भी केवल विवाद दिख रहा था, इसलिए एनसीआर काटी गई। दूसरे पक्ष से सलीम की बेटी रुहाबजान खान को चोट लगी थी। इसलिए फिरोज खान सहित उनके परिवार के 4 लोगों पर एफआईआर दर्ज की गई है।

नाबालिग-लड़की से रेप के आरोपी पर इनाम बढ़कर 30 हजार

न्यूज क्राइम फाइल

मऊगंज जिले में नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के एक पुराने मामले में फरार चल रहे आरोपी राजू उर्फ नृपेंद्र सिंह परिहार पर 30 हजार का इनाम घोषित किया गया है। पहले इनाम की राशि 10 हजार रुपए थी। पिछले साल कोर्ट ने आरोपी की गिरफ्तारी के आदेश दिए थे, तभी से आरोपी फरार है। लौर थाने में आरोपी राजू (निवासी खुझवा) के खिलाफ अपहरण और बलात्कार जैसी धाराओं में केस दर्ज है।

ये है पूरा मामला

यह घटना 26 अगस्त 2005 की है, जब एक 17 साल की लड़की लापता हो गई थी। करीब 15 दिन बाद जब वह मिली, तो जांच में पता चला कि उसका अपहरण कर उसके साथ गलत काम किया गया था। इस मामले में पुलिस ने कुल पांच आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट पेश की थी, जिनमें से राजू फरार चल रहा है। एक महीने ही एक आरोपी ने सरेंडर कर दिया था और बाकी के तीन आरोपियों की मौत हो चुकी है। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान बताने वाले नाम और अन्य जानकारी पूरी तरह गुप्त रखी जाएगी। फिलहाल पुलिस संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

पत्रकार बनने का सुनहरा अवसर

अगर आपके अंदर लिखने का कौशल है और पत्रकारिता में रुचि है, तो 'न्यूज क्राइम फाइल' को आपकी तलाश है। 'न्यूज क्राइम फाइल' से जुड़ कर आप हर माह दस हजार रुपये तक कमा सकते हैं। 'न्यूज क्राइम फाइल' भोपाल, ग्वालियर, सतना, सागर, जबलपुर, इंदौर, उज्जैन, मंदसौर और नीमच में ब्यूरो ऑफिस खोलने जा रहा है। इच्छुक उम्मीदवार तत्काल हमें अपना बॉयोडाटा मेल करें या व्हाट्सअप करें।

उदय प्रताप सिंह चौहान (संपादक) 07223003441
वजाहत खान (प्रबंधक सपांदक) 07999252366
email: newscrimefile@yahoo.com

विकसित और आत्मनिर्भर भारत का स्वप्न जनजातीय भाई-बहनों की भागीदारी से ही पूर्ण होगा...प्रदेश में भगोरिया को राजकीय पर्व के रूप में मनाया जा रहा है, जो जनजातीय संस्कृति के संरक्षण के प्रति सरकार के भाव को प्रकट करता है।
मोहन यादव, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री

दतिया में फायरिंग-मारपीट कर बोलेरो में बैठाया

कॉन्स्टेबल ने रिकवरी एजेंट का अपहरण किया

न्यूज क्राइम फाइल

दतिया में एक कॉन्स्टेबल ने अपने भाई और साथियों के साथ मिलकर गुरुवार दोपहर एक रिकवरी एजेंट का अपहरण कर लिया। आरोपियों ने डराने के लिए फायरिंग की। एजेंट से मारपीट कर उसे जबरन बोलेरो में बैठा लिया। दतिया पुलिस ने घेराबंदी कर 7 किलोमीटर पीछा किया। करीब 7 किलोमीटर पीछा करने के बाद आरोपी छोटू मांझी और बंटी पुलिस के हत्थे चढ़े। फायरिंग और पुलिस के पीछा करने का वीडियो भी सामने आया है। आरोपी कॉन्स्टेबल राजपाल मांझी सहित 4 आरोपी फरार हैं। पुलिस ने अपहरण और मारपीट का केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू की। जानकारी के मुताबिक बाइक की बकाया किस्त मांगने के विवाद में वारदात को अंजाम दिया गया।

कर्मचारियों ने बाइक जब्त कर ली, इसी पर विवाद हुआ

जानकारी के मुताबिक, दतिया निवासी विजय रावत (21) एक फाइनेंस कंपनी में रिकवरी एजेंट है। विजय को 6 अप्रैल को बाइक नंबर एमपी 32 एमएच 8513 जब्त करने का टास्क मिला था। बाइक को बद्री बाथम ने फाइनेंस कराया था, लेकिन किस्तें जमा नहीं की थीं। विजय ने बद्री को सेंवढ़ा चुंगी पर पकड़ लिया। जिला अस्पताल के सामने ऑफिस लाया, जहां कर्मचारियों ने बाइक जब्त कर ली। इसी पर विवाद हुआ।

पहले दुकान में मारपीट, फिर कहा अपहरण किया

गुरुवार दोपहर तीन बजे विजय रावत राधेश्याम एमपी ऑनलाइन सेंटर पर बैठा था। इसी दौरान सफेद रंग की बोलेरो से 6 लोग वहां पहुंचे। इनमें पटवारी आतम सिंह का बेटा छोटू मांझी, उसका भाई और दिनारा थाने में पदस्थ कॉन्स्टेबल राजपाल मांझी, बंटी मुसलमान सहित अन्य लोग शामिल थे। आरोपियों ने आते ही गाली-गलौज करते हुए विजय और वहां मौजूद लोगों से मारपीट शुरू कर दी। बीच-बचाव करने आए एमपी ऑनलाइन संचालक हिमांशु यादव को भी पीटा। आरोपियों ने दुकान में रखे कम्प्यूटर, सीपीयू और लैपटॉप में तोड़फोड़ की और विजय को जबरन बोलेरो में डालकर अपहरण कर लिया। रास्ते में उसकी कनपटी पर कट्टा अड़ाकर जब्त की गई बाइक वापस मंगाने का दबाव बनाया और मना करने पर जान से मारने की धमकी दी।

बचाने आए दोस्त को पीटा, कट्टा तानकर दी धमकी

विजय को आरोपी करीब 7 किमी दूर उनाव रोड स्थित हमीरपुर तिराहे पर ले गए। यहां खड़े होकर वे बाइक मंगाने का दबाव बना रहे थे, तभी विजय का दोस्त आशु यादव वहां पहुंच गया। उसने विजय को गाड़ी से उतारने की कोशिश की तो आरोपियों ने उसके साथ भी मारपीट कर कट्टा तान दिया। आशु ने तत्काल सिविल लाइन थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तो आरोपी बोलेरो लेकर भाग निकले।

कार्यक्रम

भारतीय जनता पार्टी स्थापना दिवस के निमित्त गांव चलो अभियान के तहत आज मल्हारगढ़ विधानसभा क्षेत्र के ग्राम रठाना, लोध, सूरी, बेखेड़ा, जग्गाखेड़ी में चौपाल पर जनसंवाद किया। इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष श्री राजेश दीक्षित जी, जनपद पंचायत मंदसौर अध्यक्ष श्री बसंत शर्मा जी, पूर्व जिलाध्यक्ष श्री नानालाल अटोलिया जी, जिला उपाध्यक्ष श्री जीवन शर्मा जी, मंडल अध्यक्ष श्री भेरूलाल जी सेन, श्री राजेश धाकड़ सहित पार्टी पदाधिकारीगण एवं कार्यकर्ता बंधु सहित गणमान्यजन उपस्थित रहे।

साप्ताहिक
न्यूज क्राइम फाइल
भोपाल, 13 अप्रैल से 19 अप्रैल 2026

ऐसे कई उदाहरण हैं, जिनसे पता चलता है कि गरीब और छोटे किसानों के कल्याण के लिए हमने हमेशा नेक नीयत से काम किया है। वहीं, कांग्रेस और उसके साथियों की नीयत में ही खोट है, इसलिए उन्होंने इनका कभी भला नहीं किया।

प्रधानमंत्री- नरेंद्र मोदी

डिफेंडिंग चैंपियन को हराया, 60 साल बाद कोई भारतीय मेंस सिंगल्स के फाइनल में पहुंचा

आयुष शेट्टी एशियन बैडमिंटन चैंपियनशिप के फाइनल में

न्यूज क्राइम फाइल

भारतीय शटलर आयुष शेट्टी ने एशियन बैडमिंटन चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचकर इतिहास रच दिया है। 60 सालों के बाद किसी भारतीय ने चैंपियनशिप के मेंस सिंगल्स कैटेगरी के फाइनल में जगह बनाई है। आयुष से पहले दिनेश खन्ना ने 1965 में मेंस सिंगल्स में गोल्ड जीता था। सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने 2023 में डबल्स खिताब जीता था। 20 साल के आयुष ने शनिवार को चीन के झेजियांग में खेले गए सेमीफाइनल में टॉप सीड और डिफेंडिंग चैंपियन थाई प्लेयर कुन्लावत वितिदसर्न को तीन गेम में हराया। दुनिया के 25वें नंबर के खिलाड़ी आयुष ने पेरिस ओलिंपिक ब्रॉन्ज मेडलिस्ट और 2023 के वर्ल्ड चैंपियन वितिदसर्न पर 10-21, 21-19, 21-17 से जीत दर्ज की।

1965 में दिनेश खन्ना लखनऊ में चैंपियन बने थे

इस चैंपियनशिप में भारत के लिए गोल्ड सिर्फ दिनेश खन्ना ने जीता था। उन्होंने 1965 में लखनऊ में थाईलैंड के सांगोब रत्तनुसोर्न को मेंस सिंगल्स फाइनल में हराया था।

आयुष ने पिछली हार का बदला लिया

दोनों खिलाड़ी इससे पहले पिछले साल आर्कटिक ओपन में भिड़े थे, जहां वितिदसर्न ने सीधे गेम में जीत हासिल की थी, लेकिन इस बार आयुष ने शानदार वापसी करते हुए हिसाब बराबर कर लिया। पहला गेम हारने के बाद जिस तरह उन्होंने वापसी की, उसने उनकी मानसिक मजबूती को भी साबित किया।

क्वार्टर फाइनल में क्रिस्टी को हराया

वर्ल्ड नंबर-25 आयुष ने क्वार्टर फाइनल में वर्ल्ड नंबर-4 जोनाथन क्रिस्टी को 23-21, 21-17 से हराया था। इसके अलावा उन्होंने चीनी ताइपे के चिन यू जेन और चीन के ली शी फेंग जैसे खिलाड़ियों को भी मात दी। अब आयुष खिताबी मुकाबले में चाऊ तियेन चेन और शी यूकी के बीन होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से भिड़ेंगे।

मस्क बोले- वॉट्सएप आपके प्राइवेट मैसेज पढ़ रहा

न्यूज क्राइम फाइल

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क के मालिक इलॉन मस्क और टेलीग्राम के ष्टश्वह्र पावेल डुरोव ने वॉट्सएप की प्राइवेसी पर सवाल उठाए हैं। मस्क ने कहा कि वॉट्सएप पर भरोसा नहीं किया जा सकता। वहीं, डुरोव ने इसे इतिहास का सबसे बड़ा %एन्क्रिप्शन% फ्रॉड बताया। यह विवाद अमेरिका में वॉट्सएप के खिलाफ दायर एक नए क्लास एक्शन मुकदमे के बाद शुरू हुआ है। यह मुकदमा इसी साल जनवरी में ब्रायन वाई. शीराजी और निदा सैमसन नाम के दो यूजर्स ने कैलिफोर्निया के फेडरल कोर्ट में दायर किया गया था। इसमें मेटा प्लेटफॉर्म्स और एक्सेंचर को पक्षकार बनाया गया है। याचिकाकर्ताओं ने ज्यूरी ट्रायल की मांग की है और कंपनी से हर्जाने की अपील की है।

एन्क्रिप्शन के बावजूद निजी मैसेज पढ़ रहा वॉट्सएप

याचिका में दावा किया गया है कि वॉट्सएप अपने यूजर्स के मैसेज को बीच में ही इंटरसेप्ट करता है। इसमें कहा गया है कि मेटा इन मैसेज को एक्सेंचर जैसी तीसरी पार्टियों के साथ शेयर कर रहा है। जबकि कंपनी दावा करती है कि उसके मैसेज %एंड-टू-एंड एन्क्रिप्टेड% हैं यानी भेजने वाले और पाने वाले के अलावा कोई

तीसरा इन्हें नहीं पढ़ सकता।

मस्क बोले वॉट्सएप की जगह ङ्क चैट इस्तेमाल करें

इलॉन मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर पोस्ट करते हुए ङ्क चैट का इस्तेमाल करने की अपील की और दावा किया कि वहां असली प्राइवेसी मिलती है। वहीं, पावेल डुरोव ने कहा कि वॉट्सएप अरबों यूजर्स को गुमराह कर रहा है। टेलीग्राम ने कभी ऐसा नहीं किया और न ही कभी करेगा।

मेटा बोला- आरोप पूरी तरह गलत और बेतुके हैं

इन गंभीर आरोपों पर मेटा के प्रवक्ता ने कहा कि मुकदमे में किए गए दावे पूरी तरह से झूठे और बेतुके हैं। वॉट्सएप पिछले एक दशक से सिग्नल प्रोटोकॉल का इस्तेमाल कर रहा है। आपके मैसेज भेजने वाले और पाने वाले के अलावा कोई और नहीं पढ़ सकता।

मस्क और जुकरबर्ग का झगड़ा पुराना

इलॉन मस्क और मार्क जुकरबर्ग के बीच विवाद कोई नया नहीं है। मस्क द्वारा ट्विटर (अब ङ्क) खरीदने के बाद जुकरबर्ग ने उसे टक्कर देने के लिए %थ्रेड्स% लॉन्च किया था। 2025 में मस्क ने अपने ्र्र चैटबॉट %ग्रोक% को मेटा ्र्र से बेहतर बताया था। जून 2023 में मस्क ने जुकरबर्ग को %केज फाइट% की चुनौती भी दी थी, जिसके जवाब में जुकरबर्ग ने लोकेशन मांगी थी।

नॉलेज बॉक्स:क्या होता है एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन?

सरल शब्दों में कहें तो एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन एक ऐसी सुरक्षा तकनीक है जो आपके मैसेज को एक गुप्त कोड में बदल देती है, जिसे सिर्फ भेजने वाला और प्राप्त करने वाला ही पढ़ सकता है। इसके बीच में इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर, हैकर या यहां तक कि सर्विस देने वाली कंपनी (जैसे वॉट्सएप या मेटा) खुद भी आपके मैसेज, फोटो या कॉल को देख या सुन नहीं सकती।

संघ से लेकर जनसंघ व भाजपा तक, राष्ट्रसेवा व समाज-कल्याण के लिए समर्पित %भारत रत्न% नानाजी देशमुख जी ने ग्रामोदय को अपने जीवन का लक्ष्य बनाया और भारतीय मूल्यों पर आधारित शिक्षा के आजीवन पथप्रदर्शक रहे।
केंद्रीय गृहमंत्री-अमित शाह

शादियों में गहने चुराने मध्यप्रदेश से आती थी गैंग...

राजस्थान समेत 5 से ज्यादा राज्यों में चोरी कर चुकी, उदयपुर पुलिस गांव जाकर पकड़ लाई

न्यूज क्राइम फाइल

शादियों में गहने और कैश चुराने वाली एक गैंग का उदयपुर पुलिस ने खुलासा किया है। इस गैंग के दो बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जो पिछले महीने उदयपुर की एक शादी के रिस्पेशन से 40 लाख के गहने चुरा ले गए थे। पुलिस शनिवार को बदमाशों को लेकर उदयपुर में रिस्पेशन वाली जगह पहुंची। मौका तस्दीद कराई। जांच में सामने आया कि दोनों बदमाशों की गैंग राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात, हरियाणा, आंध्रप्रदेश सहित कई राज्यों की शादियों में जाकर गहने और कैश चुरा चुकी है। उदयपुर पुलिस ने इन बदमाशों को मध्यप्रदेश से पकड़ा है। गहने भी बरामद किए हैं।

उदयपुर की एसपी डा. अमृता दुहन ने बताया- जिले की घटना के बाद इन बदमाशों को पकड़ने के लिए 10-10 हजार रुपए का इनाम भी घोषित किया था। ?गिरफ्तार दोनों बदमाशो ने देश भर में करीब 50 से अधिक वारदातों को कबूल किया है।

सबसे पहले समझे उदयपुर की घटना को

उदयपुर की एसपी ने बताया- 11 मार्च 2026 को महाप्रज्ञ विहार स्थित तेरापंथ भवन मे नरेन्द्र शर्मा के पुत्र शुभम की शादी के बाद रिसेप्शन का कार्यक्रम था। नरेंद्र शर्मा और उनकी पत्नि गेट पर मेहमानों का स्वागत कर रहे थे। नरेंद्र के पास एक काले रंग का बैग था इसमें दुल्हन के पडले (बहु को देने के समस्त आभुषण सोने चांदी के) जेवरात थे। इसी दौरान करीब 10.38 बजे मेहमान बनकर आए बदमाशों ने उनके पास रखा ये बैग चुरा कर भाग गए।

ऐसे पकड़ी पुलिस ने गैंग

एसपी डॉ. अमृता दुहन ने बताया- घटना के बाद थाना स्तर एक टीम का गठन किया। टीम ने घटनास्थल से मिले सीसीटीवी फुटेज दिखे। संदिग्धों को चिन्हित कर तलाश के दौरान टीम को मध्यप्रदेश के राजगढ़ स्थित 3 गांवो (कडिया सांसी व गुलखेडी) के बारे में जानकारी मिली। यहां रहने वाले बदमाशें इसी तरह वारदात अंजाम देते हैं।

पुलिस टीम ने मध्यप्रदेश में डेरा डाला

पुलिस टीम ने लगातार इन गांवों में रैकी कर मुखबीर तंत्र को डवलप किया। तकनीकी सूचना और ह्युमन इटेलीजेंस के आधार पर आरोपियो की पहचान कर नामजद किया गया। इस बीच उन पर इनाम की घोषणा की गई। टीम ने लगातार कई दिनों तक बदमाशों का पीछा किया। टीम ने गावों में दबिश देते हुए दोनों बदमाशों को गिरफ्तार कर गहने बरामद कर लिए।

पुलिस को देख बदमाश भागते हुए गिर पड़े

पुलिस ने बताया गिरफ्तारी के दौरान बदमाशों ने भागने की कोशिश की। गिरने से उनके शरीर पर चोटें भी आई हैं।

पुलिस पर हमले के मामले भी दर्ज है

एसपी ने बताया- दोनों शातिर बदमाश देश के अलग-अलग शहरों में लूट के मास्टर माइंड हैं। जो शादियों में सोने चांदी के जेवरात, नकदी चुराने के साथ बैंको से रुपए लेकर निकले लोगों को भी लूटते हैं। अलग-अलग राज्यों के थानों में मामले दर्ज हैं। आरोपियों और उनके परिवार पुलिस पर भी हमले कर चुके हैं।

पुलिस ने एमपी के रामगढ़ के बदमाश पकड़े

एसपी ने बताया कि माले में मध्यप्रदेश के अशोकनगर के मीरकाबाद हाल रामगढ़ कडिया सांसी बोडा थाना निवासी विकास (26) पुत्र सालकराम सांसी और कडिया सांसी निवासी नकुल (24) पुत्र राजकुमार सांसी को शनिवार को गिरफ्तार किया। इन दोनों बदमाशों से उदयपुर की शादी समारोह से चुराए गए करीब 40 लाख रुपए के सोने चांदी के आभूषण बरामद किए।

पिता के खिलाफ भी कई मामले दर्ज

सुखेर थानाधिकारी भरत योगी ने बताया- आरोपी नकुल के पिता राजकुमार के खिलाफ भी चोरी, नकबजनी, लूट और राजकार्य में बाधा के कई मामले दर्ज हैं। आरोपी के पिता के खिलाफ राजस्थान, गुजरात, हरियाणा और महाराष्ट्र में 16 प्रकरण अलग-अलग थाने में दर्ज है।

बदमाश विकास ने साथियों के साथ ये वारदातें कबूली

- दो साल पहले राजस्थान के सवाई माधोपुर में शादी समारोह में से करीब 10 तोला सोना चांदी के गहने चुराए।
- दो साल पहले राजस्थान के बून्दी के तालेड़ा में शादी समारोह में से करीब 15 तोला सोना चांदी के गहने चुराए।
- करीब एक साल पहले राजस्थान के खाटू श्यामजी में द्वारकेश भवन में चल रहे संगीत प्रोग्राम से धार्मिक कार्यक्रम से जेवरात व नकदी चुराए।
- एक साल पहले राजस्थान के राजसमंद के भीम में बैक से रिटायर्ड फौजी द्वारा बैंक से निकाले गेए 10 लाख रुपए कैश चुराए।
- एक साल पहले आंध्रप्रदेश के विशाखपटनम में शादी समारोह में से सवा लाख की नकदी चुराई थी।
- महाराष्ट्र के अडगांव (नासिक) में शादी समारोह में से करीब 12 तोला सोने के गहने चुराए थे।

जोनल अफसर गायब, मंत्री बोले- नालायक है, सस्पेंड: भूमिपूजन में नहीं पहुंचे तो मंत्री ने ग्वालियर निगम कमिश्नर को फोन पर कहा-इतनी बेइज्जती

न्यूज क्राइम फाइल

मध्यप्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा शुक्रवार को ग्वालियर में सड़क भूमिपूजन के दौरान अफसरों की गैरमौजूदगी पर भड़क गए। वार्ड-52 में आयोजित कार्यक्रम में नगर निगम का कोई जिम्मेदार अधिकारी नहीं पहुंचा। मौके पर सिर्फ एक पंप ऑपरेटर मौजूद था। नाराज मंत्री ने मौके से ही नगर निगम आयुक्त संघप्रिय को फोन कर कहा, एक मंत्री लेवल का व्यक्ति बैठा है और यहां कोई अधिकारी नहीं है, यह सीधी बेइज्जती है। मंत्री के फोन के बाद नगर निगम आयुक्त ने जोनल अधिकारी सौरभ शाक्य को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। निलंबन के दौरान उनका मुख्यालय जनकार्य विभाग रहेगा, जबकि अतिरिक्त प्रभार उपयंत्री बृजेश राजपूत को सौंपा गया है।

मंत्री ने अफसर को दिया अल्टीमेटम

मंत्री कुशवाहा ने कहा कि यह क्या मजाक है, यहां सिर्फ पंप ऑपरेटर खड़ा है। जोनल ऑफिसर को तुरंत हटाइए। नहीं हटा सकते तो मुझे बताइए, मैं आपसे बात नहीं करूंगा। "ZO नालायक है, पहले भी बता चुका हूं।

जोन अफसर के खिलाफ कई शिकायतें

जांच में सामने आया कि में जोन अफसर को लेकर कई शिकायतें भी मिली थी। आरोप है कि सीएम हेल्पलाइन की शिकायत का समय पर निराकरण नहीं किया। वार्ड-55 में बिना अनुमति सड़क खुदाई पर कार्रवाई नहीं की। क्षेत्र का नियमित निरीक्षण नहीं किया। भूमिपूजन की पूर्व सूचना के बावजूद कार्यक्रम में अनुपस्थित रहे।

विधानसभा में भी उठे ऐसे मामले

ग्वालियर में जनप्रतिनिधियों की अनदेखी के मामले पहले भी सामने आते रहे हैं। नगर निगम परिषद की बैठकों में पार्षद इस पर हंगामा कर चुके हैं। अफसरों के रवैये को लेकर यह मुद्दा विधानसभा तक पहुंच चुका है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर और जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट भी सदन में कह चुके हैं कि अधिकारी उनकी बात तक नहीं सुनते।

अमर क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि एवं कोटि-कोटि नमन। मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए उनका अद्वितीय साहस, अटूट संकल्प और सर्वोच्च बलिदान भारतीय स्वाधीनता संग्राम के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित है।
रक्षा मंत्री-राजनाथ सिंह

पति का आरोप- अस्पताल में डॉक्टर नहीं थे, नर्सों ने कराई डिलीवरी, 1000 रुपए भी लिए

प्रसव के बाद महिला के पेट में छोड़ दिया कॉटन

न्यूज क्राइम फाइल

दमोह के हटा सिविल अस्पताल में प्रसव के दौरान एक महिला की बच्चेदानी में कॉटन छोड़ दिया गया। दो दिन बाद उसे पेटदर्द और रक्तस्राव की शिकायत हुई। परिजन ने दोबारा भर्ती कराया गया तो जांच में इसका पता चला। मामले में हटा थाने में शिकायत की गई है। महिला मीना अहिरवार (25) का इलाज चल रहा है। मीना के परिजन ने बताया कि 5 अप्रैल को लेबर पेन हुआ था। आशा कार्यकर्ता लक्ष्मी प्रजापति उसे हटा सिविल अस्पताल ले गईं। उसी शाम मीना ने एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया। 8 अप्रैल को उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। 9 अप्रैल की शाम मीना को दर्द, यूरीन और रक्तस्राव जैसी शिकायतें होने लगीं। 10 अप्रैल को हालत बिगड़ने पर दोबारा हटा सिविल अस्पताल ले जाया गया। परिजन के अनुसार, अस्पताल के स्टाफ ने मीना को लेबर रूम में भर्ती किया। जांच के दौरान नर्सों ने बताया कि प्रसव के समय यूट्रस में कॉटन का टुकड़ा छूट गया था। अब चीरा लगाकर बाहर निकाल दिया गया है।

प्रसव के समय डॉक्टर नहीं थे, नर्सों ने कराई डिलीवरी

मीना के पति संदीप अहिरवार का आरोप है कि डिलीवरी के समय अस्पताल में कोई डॉक्टर नहीं था। ड्यूटी पर सपना और उनके साथ एक अन्य नर्स थीं, जिन्होंने टांके लगाते समय कपड़ा छोड़ दिया।

सास बोली- 500 रुपए नर्स को, 500 आशा कार्यकर्ता को दिए

महिला की सास संध्या अहिरवार ने बताया- बहू को पेट दर्द होने पर दोबारा अस्पताल लेकर आए तो नर्सों ने बहुत बड़ा कपड़ा निकाला। हमसे अस्पताल में सुरक्षित प्रसव कराने के नाम पर रुपयों की मांग की गई थी। इस पर हमने 500 रुपए सपना नर्स और 500 रुपए आशा कार्यकर्ता को दिए, ताकि उनकी बहू का सुरक्षित प्रसव हो सके। उसे जिला अस्पताल रेफर न किया जाए।

बीएमओ बोले- नोटिस देकर नर्स को प्रसूता कक्ष से हटा दिया

बीएमओ डॉक्टर उमाशंकर पटेल ने बताया कि इस लापरवाही के लिए नर्स को नोटिस दिया है। उन्हें अभी प्रसूता कक्ष से हटा दिया है। मामले की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को भी दे दी गई है। जल्द ही कार्रवाई की जाएगी। डॉक्टर पटेल के अनुसार, यह महिला का दूसरा प्रसव था। इसके पहले भी नॉर्मल डिलीवरी हुई थी। दूसरी डिलीवरी भी नॉर्मल हुई है। परिजन जो कपड़ा छोड़ने की बात कह रहे हैं, वह कपड़ा नहीं है। पैड में इस्तेमाल होने वाला कॉटन है।

सीएमएचओ बोले- गंभीर लापरवाही है, जांच कराएंगे

मामले में दमोह सीएमएचओ डॉ. राजेश आठ्या का कहना है कि यदि लापरवाही हुई है तो गंभीर मामला है। मामले की जांच कराई जाएगी और दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

दुष्कर्म पीड़िता दिव्यांग महिला को गर्भपात की अनुमति: हाईकोर्ट ने दी राहत, कहा- जबरन गर्भ रखने को मजबूर नहीं कर सकते, महिला की इच्छा सर्वोपरि

न्यूज क्राइम फाइल

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ ने एक अहम फैसले में 30 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता विधवा महिला को गर्भपात की अनुमति दे दी है। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि किसी भी महिला को उसकी इच्छा के विरुद्ध गर्भ जारी रखने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। पीड़िता को 19 माह का गर्भ है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि महिला की शारीरिक और मानसिक सेहत सर्वोपरि है। ऐसे मामलों में उसकी इच्छा के खिलाफ गर्भ जारी रखना उसके अधिकारों का उल्लंघन होगा। अदालत के आदेश के अनुसार गर्भपात की प्रक्रिया 11 अप्रैल को कराई जाएगी। पीड़िता दिव्यांग है और सुनने व

बोलने में असमर्थ है, जिससे उसकी स्थिति और अधिक संवेदनशील हो गई है। मामले में पीड़िता की ओर से उसके भाई ने याचिका दायर कर गर्भपात की अनुमति मांगी थी। याचिका में बताया गया कि गर्भावस्था यौन शोषण का परिणाम है, जिससे महिला को गंभीर मानसिक आघात और शारीरिक पीड़ा झेलनी पड़ रही है।

कोर्ट के निर्देश, डॉक्टरों की निगरानी में सुरक्षित तरीके से हो प्रक्रिया

हाईकोर्ट ने मेडिकल रिपोर्ट और पीड़िता की स्थिति को ध्यान में रखते हुए गर्भपात की अनुमति दी। साथ ही मेडिकल कॉलेज के डीन को निर्देश दिया गया कि अनुभवी डॉक्टरों की विशेष टीम गठित की जाए, जिसमें मेडिसिन और कार्डियोलॉजी विशेषज्ञ भी शामिल हों, ताकि पूरी प्रक्रिया सुरक्षित तरीके से संपन्न हो सके।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट अहम

कोर्ट के निर्देश पर गजराराजा मेडिकल कॉलेज और कमलाराजा अस्पताल के मेडिकल बोर्ड ने पीड़िता की जांच की। रिपोर्ट में गर्भ लगभग 19 सप्ताह का पाया गया और विशेषज्ञों ने उचित चिकित्सा सुविधाओं के साथ सुरक्षित गर्भपात संभव बताया।

नरेंद्र फ़सरेंडरफ़ मोदी, आपको US Trade Deal रद्द करने की चुनौती दिए हुए 24 घंटे से ज़्यादा हो गए - आप फिर खामोशी से ढ्ढ्रह्र्ड्ढ्र्द्य निकल गए।

नेता प्रतिपक्ष-राहुल गांधी

भोपाल पहुंचते ही रोकी गई आंगनवाड़ी न्याय पदयात्रा

11 दिन में 200 किमी तय किए, आंगनवाड़ी-आशा कार्यकर्ताओं को सरकारी दर्जा देने की मांग

न्यूज क्राइम फाइल

आंगनवाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं को सरकारी कर्मचारी का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर निकले छात्र नेता रामकुमार नागवंशी की पदयात्रा भोपाल पहुंचते ही रुक गई। करीब 200 किलोमीटर की यात्रा कर राजधानी पहुंचे नागवंशी और उनके साथियों को पुलिस ने बरकतुल्ला यूनिवर्सिटी के पास रोक लिया। इसके बाद उन्हें आगे बढ़ने से मना करते हुए एक होटल के पास बैठा दिया गया। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की मांगों को लेकर शुरू की गई 200 किलोमीटर लंबी पदयात्रा के जरिए सरकार तक अपनी आवाज पहुंचाने की कोशिश की जा रही है। यह पदयात्रा 1 अप्रैल (बुधवार) को बैतूल जिले के अंबेडकर चौक से शुरू हुई थी, जिसका लक्ष्य 11 दिनों में भोपाल पहुंचना था।

आंगनवाड़ी न्याय पदयात्रा के नाम से शुरू किया आंदोलन

पूर्व में एनएसयूआई से जुड़े रहे रामकुमार नागवंशी ने इस अभियान को आंगनवाड़ी न्याय पदयात्रा नाम दिया। उनका कहना है कि गांव-गांव जाकर सेवा देने वाली आंगनवाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं को अब तक न तो सम्मानजनक वेतन मिला है और न ही सरकारी कर्मचारी का दर्जा।

परिवार के संघर्ष से मिला आंदोलन का संकल्प

नागवंशी ने बताया कि उनकी भाभी और बहन स्वयं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता हैं। उनके संघर्ष को करीब से देखने के बाद ही उन्होंने यह पदयात्रा शुरू करने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई केवल उनकी नहीं, बल्कि लाखों महिलाओं के अधिकारों की है, जो वर्षों से न्यूनतम सुविधाओं के साथ काम कर रही हैं।

भोपाल पहुंचते ही पुलिस ने रोका

रामकुमार नागवंशी ने बताया कि जब वे आज सुबह करीब 8ः45 बजे बरकतुल्ला यूनिवर्सिटी के पास पहुंचे, तभी पुलिस ने उन्हें और उनके साथियों को रोक लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें आगे मुख्यमंत्री निवास की ओर नहीं जाने दिया जा रहा और पास के एक होटल के बाहर बैठा दिया गया है।

तपती गर्मी में जारी रही पदयात्रा

मध्य प्रदेश की तेज गर्मी और तपती धूप के बावजूद नागवंशी लगातार पैदल चलते रहे। उनका कहना है कि यह संघर्ष तब तक जारी रहेगा, जब तक सरकार इन कार्यकर्ताओं को उनका अधिकार नहीं देती।

सरकार से सकारात्मक निर्णय की उम्मीद

नागवंशी का कहना है कि भोपाल पहुंचकर वे मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपना चाहते थे। उन्हें उम्मीद है कि सरकार उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेकर लाखों महिलाओं के जीवन में बदलाव लाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह की आत्मीय अगवानी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह की शनिवार को भोपाल के स्टेट हैंगर पर आत्मीय अगवानी की। केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री सिंह रायसेन में आयोजित कृषि महोत्सव प्रदर्शनी एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ के लिए ट्रांजिट विजिट पर स्टेट हैंगर भोपाल आये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री सिंह का पुष्प-गुच्छ एवं शॉल ओढ़ाकर प्रदेश में आत्मीय स्वागत-अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय रक्षा मंत्री को स्मृति चिन्ह भी भेंट किया।

देवास विधानसभा क्षेत्र की विधायक, बहन श्रीमती गायत्री राजे पवार जी की सुपुत्री के विवाह समारोह में सहभागिता कर नवदम्पति सुखमय एवं समृद्ध वैवाहिक जीवन की मंगलकामनाएँ प्रेषित कीं।
डिप्टी सीएम मप्र- जगदीश देवड़ा

कार्रवाई के सवाल पर पीसीसी चीफ पटवारी बोले- ये बताने के लिए मैं बाध्य नहीं

इंदौर पार्षद रूबीना मामले में कांग्रेस की चुप्पी

न्यूज क्राइम फाइल

इंदौर नगर निगम में बजट पर चर्चा के दौरान कांग्रेस पार्षद फौजिया शेख अलीम और रुबीना इकबाल ने वंदे मातरम गाने से इनकार कर दिया। इसके बाद कांग्रेस ने उनसे किनारा कर लिया। मीडिया ने सवाल पूछे तो रूबीना ने कहा- कांग्रेस पार्टी भाड़ में जाए। ऐसे जब भी मौके आते हैं तो कांग्रेस पल्ला झाड़ लेती है। कांग्रेस पार्टी सिर्फ मुसलमानों का वोट लेने के लिए है। कांग्रेस से कोई अनुबंध थोड़ी न करा रखा है।

इंदौर नगर निगम में हुए घटनाक्रम के बाद कांग्रेस पार्टी पार्षदों पर एक्शन लेने से बच रही है। इंदौर शहर अध्यक्ष चिंटू चौकसे ने एमपी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी को रुबीना को कांग्रेस से निष्कासित करने के लिए पत्र लिखा। दो दिन बीतने के बाद भी कांग्रेस पार्षद पर एक्शन नहीं ले पाई है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी से जब इस मामले में भोपाल में मीडिया ने सवाल पूछे तो पहले वे किनारा करते नजर आए। जब मीडिया ने बार-बार सवाल दोहराया तो उन्होंने कहा- भारत देश के संविधान में और कांग्रेस के संविधान में देश की आजादी की यात्रा में राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत के महत्व को किसी को बताने या छिपाने की आवश्यकता नहीं हैं। कांग्रेस पार्टी के हर अधिवेशन में राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान का अपना महत्व है, हमें किसी से सर्टिफिकेट नहीं चाहिए।

अल्पसंख्यक नेता हमेशा राष्ट्रगीत को सम्मान देते हैं

जीतू पटवारी ने कहा कि हमारे जितने भी अल्पसंख्यक के राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, मुख्यमंत्री, राज्यपाल और कई विधायक हुए। ये जब सरकारी कार्यक्रमों में जाते हैं या देश के स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम में जाते हैं तो वहां राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान होता है और सब उसका सम्मान करते हैं मैं मानता हूं कि राष्ट्रगान के सम्मान में किसी को न आपत्ति है न थी और न आपत्ति रहेगी। कांग्रेस पार्टी का अलग से वक्तव्य की आवश्यकता ही नहीं हैं। देश के संविधान ने हर नागरिक को अपने जीवन जीने की आजादी दी है, अपने धर्म के आधार पर प्रार्थना की आजादी दी है ये सब हर परिस्थिति में कानून के पालन के साथ सबको करना है।

जीतू पटवारी ने कहा- जहां तक कांग्रेस के लिए किसी पार्षद ने कोई बात कही है पार्टी के संज्ञान में है पार्टी उसपर जब निर्णय लेगी तब आपको बता देगी। मीडिया ने पूछा कि कब तक निर्णय लेगी तो पटवारी ने कहा ये मैं आपको बताने के लिए बाध्य नहीं हूं कि कब निर्णय लेगी। जब निर्णय लेगी तब बता देंगे।

संगठन प्रभारी बोले- ऐसी भाषा अक्षम्य है

इस मामले में कांग्रेस के संगठन प्रभारी डॉ संजय कामले ने भास्कर से कहा जिस तरह से उन्होने कहा है कि कांग्रेस पार्टी भाड़ में जाए। ये बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण बयान है। जो लोग कांग्रेस से चुने गए हैं जिन्हें लोगों ने वोट देकर जनप्रतिनिधि बनाया उनकी इस तरह की भाषा है तो ऐसी भाषा अक्षम्य है। इस तरीके की बातें उस दिन को बिल्कुल नहीं होनी चाहिए जिस दिन जनता से जुड़े मुद्दों पर बहस होनी थी। बजट पेश होना था। किस प्रकार से ऐसी घटना हुई है क्या यह सुनियोजित तरीके से घटना हुई थी इसके पीछे क्या मंशा थी। इतने वरिष्ठ पार्षद जो 10-15 सालों से सदन में जा रहे हैं। अचानक इस तरीके से उत्तेजित होकर बयान देने की क्या आवश्यकता थी? जिसमें आप अपनी पार्टी को ही चुनौती दे रहे हैं। जिस पार्षद ने इस तरह का बयान दिया है वे कम से कम पार्टी की विचारधारा से तो इत्तेफाक नहीं रखतीं अन्यथा कोई भी व्यक्ति कितने भी गुस्से में हो। विपक्ष ने कितना भी उकसाया हो फिर भी ये नहीं कह सकता कि पार्टी भाड़ में जाए।

लिव-इन में रखकर यौन शोषण किया, 10 साल की कैद

न्यूज क्राइम फाइल

इंदौर जिला कोर्ट ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के मामले में आरोपी को 10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। आरोपी ने पीड़िता के साथ करीब तीन माह तक यौन शोषण किया था। अदालत ने कहा कि विवाह का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाना गंभीर अपराध है और ऐसे मामलों में सख्त दंड आवश्यक है। पीड़िता पूर्व में जबलपुर में अकाउंटेंट के रूप में कार्यरत थी। साल 2021 में इंदौर में एक सहेली की जन्मदिन पार्टी के दौरान उसकी आरोपी से मुलाकात हुई थी, जिसके बाद दोनों के बीच जान-पहचान बढ़ी। सितंबर 2021 में वह इंदौर आकर रहने लगी। करीब एक माह बाद आरोपी ने पीड़िता से संपर्क कर नौकरी की जरूरत बताई। पीड़िता ने अपने कंपनी मालिक से बात कर उसे एक फर्नीचर फैक्ट्री में काम दिलाया। 1 मार्च 2022 को कार्यस्थल पर

विवाद के चलते युवती ने नौकरी छोड़ दी और जबलपुर लौटने की तैयारी करने लगी। इस दौरान आरोपी ने उसे जाने से रोका और इंदौर में किराए का कमरा दिलवाया। बाद में वह खुद भी उसी कमरे में रहने लगा।

विवाह का झांसा देकर बनाया संबंध

आरोपी ने विवाह का आश्वासन देकर पीड़िता के साथ करीब तीन माह तक शारीरिक संबंध बनाए। 25 जून 2022 तक दोनों साथ रहे। इसके बाद आरोपी जबलपुर चला गया। जब पीड़िता ने उससे संपर्क किया तो उसने बताया कि उसकी सगाई पहले से तय है और वह विवाह नहीं कर सकता। परिजनों से संपर्क करने पर भी विवाह से इंकार कर दिया गया।

एफआईआर के बाद कार्रवाई

धोखा मिलने के बाद पीड़िता ने आजाद नगर थाना में आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर आरोपी को दोषी पाया। 10 अप्रैल को उसे 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई। मामले में शासन की ओर से पैरवी एजीपी जयंत दुबे ने की।

इंटीग्रेटेड फार्मिंग वही खेत, वही मेहनत
लेकिन कमाई कई गुना ज्यादा।
किसान की आय बढ़ाने का स्मार्ट मॉडल।
शिवराज सिंह चौहान-केंद्रीय कृषि मंत्री

पीएम बोले- बंगाल परिवर्तन के लिए तैयार

टीएमसी का भय का राज बदलेंगे; असम के सिंगल बूथ पर आज दोबारा वोटिंग

न्यूज क्राइम फाइल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज पश्चिम बंगाल में हैं। उन्होंने पूर्व वर्धमान जिले के कटवा में चुनावी रैली में कहा कि बंगाल परिवर्तन के लिए तैयार है। यहां की महान विरासत पर टीएमसी ने ऐसा पाप किया है कि इन पर पिछड़ेपन का दाग लगा दिया। पीएम ने कहा कि अब बीजेपी ने संकल्प लिया है कि वह बंगाल को विकास की नई ऊंचाई पर ले जाएगी। कल ही घोषणापत्र जारी किया, इसमें आपको जो 6 गारंटियां दी हैं। उन्हें लागू करने का रोडमैप है। मोदी की गांरटी टीएमसी की निर्मम सरकार के भय राज को हटाके भरोसे में बदलने की है। पीएम मुर्शिदाबाद हिंसा में जान गंवाने वाले चंदन दास के परिवार से भी मिलेंगे। 12 अप्रैल 2025 को मुर्शिदाबाद में वक्फ संशोधन अधिनियम के विरोध के दौरान हिंसा में चंदन दास और उनके पिता हरगोबिंद दास की हत्या कर दी गई थी। भीड़ ने जंगीपुर के जाफराबाद में घर में घुसकर दोनों को मार डाला था। असम के श्रीभूमि जिले में करीमगंज (उत्तर) विधानसभा क्षेत्र के 239-बेबीलैंड हाई इंग्लिश स्कूल मतदान केंद्र पर आज दोबारा वोटिंग हो रही है। सुबह 7 बजे से शुरु हुई वोटिंग शाम 5 बजे तक चलेगी। 9 अप्रैल को यहां पर भाजपा और कांग्रेस समर्थकों के झगड़ा हुआ था। इसके बाद अधिकारियों ने दोबारा चुनाव कराने का आदेश जारी किया था। इस सीट से 14 उम्मीदवार मैदान में हैं।

पीएम बोले- बंगाल में कमीशन-भ्रष्टाचार की व्यवस्था खत्म करेंगे

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बीजेपी सरकार बनने पर राज्य में 'कट मनी', कमीशन और भ्रष्टाचार की व्यवस्था खत्म कर दी जाएगी। राज्य में रोजगार के नए अवसर पैदा किए जाएंगे, जिससे युवाओं को फायदा मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि बीजेपी के घोषणा पत्र के अनुसार, सरकार बनने के 45 दिनों के भीतर सरकारी कर्मचारियों को सातवें वेतन आयोग का लाभ दिया जाएगा।

पीएम बोले- यह चुनाव बंगाल की पहचान बचाने का चुनाव है

प्रधानमंत्री मोदी बंगाल के जंगीपुर में आज की दूसरी जनसभा को संबोधित कर रहे हैं। उन्होंने कहा- बंगाल में ऋष्ट मां, माटी और मानूश का नारा लगाकर सरकार में आई लेकिन अब राज्य में घुसपैठिओं की सरकार बनाना चाहती है। बंगाल के लोगों ने TMC को घुसपैठियों की सरकार बनने नहीं देना है। ये चुनाव सिर्फ सत्ता परिवर्तन का चुनाव नहीं है। यह चुनाव बंगाल की पहचान बचाने का चुनाव है।

पीएम मोदी ने बंगाल के पूर्व वर्धमान से वीडियो शेयर किया

पीएम मोदी की आज पश्चिम बंगाल के पूर्व वर्धमान में जनसभा हुई। यहां पहुंचने पर जनसभा से पहले उन्होंने एक वीडियो रिकॉर्ड किया और शेयर किया। उन्होंने कहा- मेरे पीछे आप बंगाल का मिजाज देख सकते हैं। अभी सुबह के सिर्फ 11-11.30 बजे हैं और यह आज मेरी पहली जनसभा है। हेलीपैड पर ही हजारों लोग मौजूद हैं। यह अद्भुत है।

पीएम बोले- बंगाल के लाखों परिवारों को मुफ्त इलाज मिलेगा

पीएम मोदी ने कहा कि वर्धमान सहित पूरे बंगाल के लाखों परिवारों को मुफ्त इलाज मिलेगा। बंगाल की धरती से शरणार्थी परिवारों को भी गारंटी देने आया हूं। हमारे मतुआ और नामशूद्र सभी परिवार यहां किसी टीएमसी की नेता की कृपा से नहीं हैं। आप यहां संविधान के संरक्षण में हैं। ताकि सभी शरणार्थियों को संविधान की गारंटी मिले। सरकार बनते ही इन सभी को सीएए को नागरिकता देने का काम और तेज किया जाएगा। हर घुसपैठिए से कहूंगा कि वो अपना बोरिया बिस्तर बांध लें, जो यहां आए, नकली कागज बनाए, सरकारी योजनाओं का फायदा लिया। उन सभी का हिसाब होगा। दुनिया के विकसित देश भी घुसपैठियों को चुन-चुनकर बाहर निकाल रहे हैं। भारत तो विकसित होने के रास्ते में हैं। अगर किसी घुसपैठिए को फर्जी राशन कार्ड दिया जाए तो वह आपके हक का चावल लूटेगा। अगर कोई घुसपैठिया फर्जी अधारकार्ड बनाता है तो वह किसान के हक का पैसा भी लूट लेगा। इसलिए आपको सतर्क रहना है टीएमसी को मौका नहीं देना है।

शाह बोले- देश कोई धर्मशाला नहीं, घुसपैठियों को बाहर निकाला जाएगा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बंगाल के बांकुड़ा जिले के ओंडा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए भ्रष्ट सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि अगर बीजेपी सत्ता में आती है, तो बंगाल में सिंडिकेट राज को पूरी तरह खत्म कर दिया जाएगा। शाह ने यह भी कहा कि ममता बनर्जी के शासन में महिलाओं पर अत्याचार करने वालों को कानून के तहत सजा दिलाई जाएगी। घुसपैठ के मुद्दे पर सख्त रुख अपनाते हुए उन्होंने कहा कि देश कोई धर्मशाला नहीं है और जो लोग देश की सुरक्षा के लिए खतरा हैं, उन्हें बाहर निकाला जाएगा। उन्होंने आलू किसानों का मुद्दा उठाते हुए वादा किया कि बीजेपी सरकार बनने पर उनकी उपज को देशभर में भेजा जाएगा, जिससे उन्हें बेहतर कीमत मिल सके।

जस्टिस यशवंत वर्मा का इस्तीफा : घर में 500 के नोटों के बंडल जले मिले थे; आज सुप्रीम कोर्ट की जांच समिति के सामने पेश होना था

न्यूज क्राइम फाइल

जस्टिस वर्मा ने इस्तीफे में लिखा है- मैं आपके सम्मानित कार्यालय को उन कारणों से परेशान नहीं करना चाहता, जिनकी वजह से मुझे यह पत्र लिखना पड़ रहा है। लेकिन गहरे दुख के साथ मैं इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे रहा हूं। इस पद पर सेवा करना मेरे लिए सम्मान की बात रही है। जस्टिस यशवंत वर्मा ने अपने इस्तीफे से पहले जजेस की इन्क्वायरी कमेटी को 13 पेज में एक लेटर भी लिखा है। लेटर में उन्होंने विस्तृत जवाब देते हुए पूरी जांच प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए हैं।उन्होंने लिखा कि

जिस कैश रिकवरी को आधार बनाकर उनके खिलाफ कार्रवाई की गई, उसके संबंध में न तो कोई ठोस सबूत पेश किया गया और न ही यह साबित किया गया कि वह पैसा उनका था। वर्मा के अनुसार, जिस स्टोररूम से नकदी मिलने की बात कही गई, वह उनके सीधे नियंत्रण में नहीं था और वहां कई लोगों की आवाजाही रहती थी। घटना के समय वे स्वयं भी घर पर मौजूद नहीं थे। उन्होंने दावा किया कि उन्हें इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी बाद में मिली।

उन्होंने जांच प्रक्रिया को पक्षपातपूर्ण बताते हुए लिखा कि कई महत्वपूर्ण गवाहों को या तो पेश ही नहीं किया गया, या फिर क्रॉस एग्जामिनेशन के बाद हटा दिया गया। जांच एजेंसियों ने अहम सबूत, जैसे CCTV फुटेज या अन्य रिकॉर्ड, भी सामने नहीं रखे। बिना कोई प्रारंभिक मामला स्थापित किए ही उनसे अपनी बेगुनाही साबित करने को कहा गया, जो कानून के मूल सिद्धांतों के खिलाफ है। उन्होंने इसे अनुमानों और पूर्वाग्रहों पर आधारित कार्रवाई करार दिया। मीडिया में इस मामले को जिस तरह प्रस्तुत किया गया, उससे उनकी छवि को नुकसान पहुंचा और एक तरह का मीडिया ट्रायल हुआ। लेटर में उन्होंने लिखा कि ऐसी प्रक्रिया का हिस्सा बने रहना न्याय और संस्थान-दोनों के साथ अन्याय होगा। इसलिए उन्होंने कार्यवाही से हटने और इस्तीफा देने का निर्णय लिया।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक उदय प्रताप सिंह चौहान द्वारा कविता ऑफसेट प्रिंटर्स, एमपी नगर जोन -1 भोपाल (म. प्र.) से मुद्रित एवं 1209 पुष्पा नगर चांदबड़, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- उदय प्रताप सिंह चौहान, मो.7223003441 (प्रति सोमवार को प्रकाशित) समाचारों से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) RNI.NO MPHIN/2015/63623